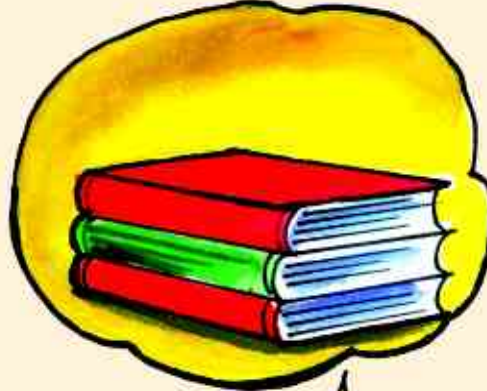


# खुशहाली



अनिका  
वार्ड









तुम 3 और 7 ही देख रहे हो.  
यह नहीं जानते कि महाजन  
किस तरह सुदखोरी करता  
है. जानते नहीं तुम किस  
मुसीबत में फंसे जा रहे हो.















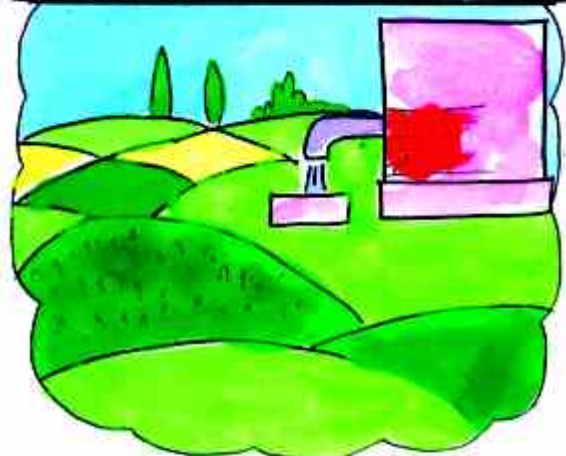




संता को तो तुम जानते ही हो. बैंक से सहायता लेकर पशुपालन शुरू किया था. आज कहां से कहां पहुंच गया है.



कुट्टी ने ट्यूबवेल के लिए स्तूप लिया था. आज उसके खेतों में सेना बरस रहा है.









हम कृषि ऋण के साथसाथ मछलीपालन, पशुपालन, रेशम के कीड़े पालने से लेकर इंडिश आवास योजना के तहत मकान बनाने के लिए भी ऋण देते हैं।





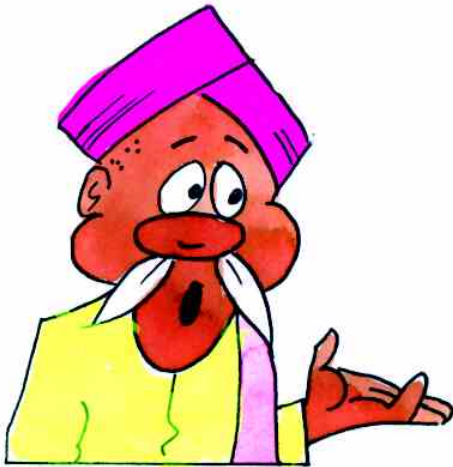


अब तो मैं बीज, खाद, फ्वाइ सब किसान क्रेडिट कार्ड से ही खरीदता हूँ. अपनी पसंद की दुकान से देखभाल कर चीज खरीदता हूँ. नकद भुगतान के लाभ के साथसाथ सामान भी हाथोंहाथ मिलता है.





नहीं, यह गलत है. बैंक ने समय पर सहायता करी अब समय पर कर्ज चुकाना हमारा फर्ज है.



आपने तो मेरी आंखें खोल दीं मला कर्ज न चुकाने वाले को दोबारा पैसा कौन देगा और फिर घूम फिर कर महाजन के शिकंजे में फंस कर अपना सबकुछ गंवा बैठेगा.



बैंक का पैसा हमारे जैसे की बचत का पैसा होता है. चुकाए गए कर्जों के पैसे से बैंक हमारे जैसे किसी और जरूरतमंद की सहायता कर सकेगा.







आलोक भार्गव द्वारा रेखांकित व यूनियन बैंक ऑफ इंडिया कें. का. मुंबई के वित्तीय समावेशन विभाग द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन प्रभाग के समन्वयन से प्रकाशित.